हरियाणा सरकार
GOVT. OF HARYANA

हरियाणा स्वर्ण उत्सव
1 नवम्बर, 2016-31 अक्टूबर, 2017

।। बदलता हरियाणा – बढ़ता हरियाणा ।।

HARYANA KISAN AYOG • 2010 • हरियाणा किसान आयोग

हरियाणा किसान आयोग

विशेष अंक

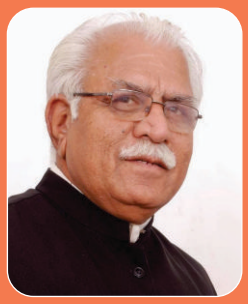

श्री मनोहर लाल
माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा

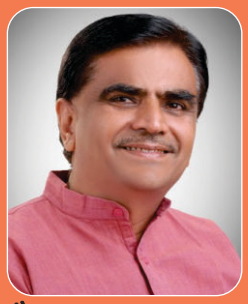

श्री औम प्रकाश धनखड
माननीय कृषि मंत्री, हरियाणा

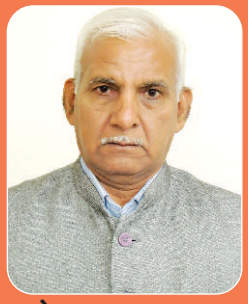

डा. रमेश कुमार यादव
अध्यक्ष, हरियाणा किसान आयोग
हरियाणा सरकार

डा. अभिलक्ष लिखी, आई. ए. एस.
प्रधान सचिव,
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग,
हरियाणा सरकार

द्वितीय कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन – 2017

- उपलब्धियों के माध्यम से प्रेरणा
- [kr l; lhÊk उपभोक्ता rd
- जैविक खेती
- परिनगरीय खेती
- इलेक्ट्रॉनिक खेत व्यापार
- ए2 दूध : स्वास्थ्य दूध

18-20 मार्च, 2017

सूरजकुण्ड, फरीदाबाद, हरियाणा

"दोगुनी किसानों की आय हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

. मनोहर लाल, मुख्यमंत्री हरियाणा

मनोहर लाल
माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा

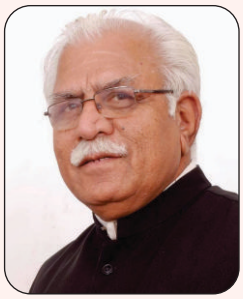

संदेश

गर्व का विषय है कि हरियाणा राज्य 18 से 20 मार्च, 2017 को सुरजकुण्ड फरीदाबाद में द्वितीय कृषि–नेतृत्व शिखर सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। प्रथम कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन–2015 बहुत सफल रहा और इसकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई। कृषि नेता अर्थात् हरियाणा के नवोन्मेषी और प्रगतिशील किसानों को इस सम्मेलन के अवसर पर कृषि संबंधी अपनी नई–नई खोजों को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। यद्यपि ये किसान प्रौद्योगिकियों को स्वयं अपनाने वाले सिद्ध हुए हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फार्म संबंधी नई–नई खोजों व फार्म उत्पादन के मामले में ये सफल रहे हैं। फिर भी यह अनुभव किया जा रहा है कि राज्य के रजत जयंत वर्ष के अवसर पर उन्हें इस अवसर के रूप में एक मंच पर एक साथ लाने की आवश्यकता है। राज्य के इन कृषि नेताओं ने कठोर परिश्रम किया है जिससे राज्य ने देश में खाद्यान्न उत्पादन के मामले में प्रमुख स्थान प्राप्त कर लिया है और इसे चावल व गेहूं के सर्वोच्च उत्पादन के लिए प्रतिष्ठित 'df"k de.k iqjLdkj' प्राप्त हुआ है। कृषि क्षेत्र की राज्य की अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका है और इसने सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी में लगभग 14.8 प्रतिशत योगदान देने के अलावा 51 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार प्रदान किया है। कृषि में उपलब्धियों के साथ–साथ हमारे समक्ष जलवायु परिवर्तन तथा प्राकृतिक संकटों के जोखिम जैसी समस्याएं हैं। राज्य सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए फसल बीमा योजना लागू की है। इस योजना से फसलों में जोखिम की पूर्ति होती है तथा प्राकृतिक आपदाओं के कारण देश के किसानों को होने वाली क्षति के मामले में वित्तीय सहायता मिलती है और इस प्रकार खेती से होने वाली आय स्थिर होती है।

किसानों की आमदनी बढ़ाना सरकार की एक प्रमुख चिंता है और इस समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाना है। बागवानी, संरक्षित खेती, जैविक खेती, परिनगरीय खेती, डेरी, कुक्कुटपालन, मछली पालन, खुम्बी की खेती, मधुमक्खीपालन और कृषि वानिकी जैसे सम्बद्ध क्षेत्रों में किसानों की आमदनी बढ़ाने की बहुत क्षमता है। कटाई उपरांत प्रबंध, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों को बड़े पैमाने पर अपनाया जाना चाहिए। उत्पादों का उचित विपणन व उन्हें ब्राण्ड नाम देने की आवश्यकता है, ताकि किसानों की आमदनी बढ़ सके।

कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन सभी स्टेकहोल्डरों को अपनी प्रौद्योगिकियां प्रदर्शित करने का एक उचित मंच प्रदान करने जा रहा है। मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन बहुत सहायक व सूचनाप्रद होगा तथा किसान वर्तमान में उपलब्ध उच्च तकनीक वाली कृषि प्रौद्योगिकियों को देख सकेंगे। कृषि नेता राज्य के अन्य किसानों व ग्रामीण युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत होंगे। यह कृषि के क्षेत्र में निश्चित रूप से मील का पत्थर सिद्ध होगा।

कार्यक्रम की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(मनोहर लाल)

^fdlkuks d fgrks dh j{kk gekjh lokPp ikFkfedrk g*'

मनोहर लाल

ओम प्रकाश धनखड
माननीय कृषि, विकास और पंचायत, पशुपालन एवमं डेयरी, मछली पालन, खान और भू–विज्ञान मंत्री, हरियाणा

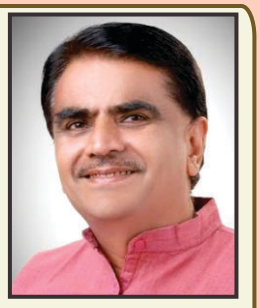

संदेश

मुझे प्रसन्नता है कि हरियाणा सरकार 18 से 20 मार्च, 2017 तक सूरजकुंड, फरीदाबाद में द्वितीय कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। जैसा कि हमें ज्ञात है कृषि तथा ग्रामीण विकास राज्य की अर्थव्यवस्था की धुरी हैं और हमारे राज्य में देश को खाद्यान्नों से समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ–साथ खाद्यान्न तथा दूध के मामले में देश के उत्पादन में अग्रणी योगदान दिया है। किसानों के हितों की रक्षा करना तथा वर्ष 2022 तक उनकी आमदनी को दोगुना करना राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। अतः मेरे मंत्रालय द्वारा समय–समय पर किसानों पर केन्द्रित नीतियां और स्कीमें शुरू की जा रही हैं। फसल विविधीकरण समय की आवश्यकता है तथा किसानों को मधुमक्खी पालन, मछली पालन, कुक्कुटपालन, डेरी पालन आदि के साथ–साथ बागवानी, सुरक्षित खेती, परिनगरीय खेती, जैविक खेती, कृषि वानिकी और खुम्बी की खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि उन्हें आमदनी के अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध हो सकें।

कृषि विभाग द्वारा राज्य में कृषि खाद्य एवं प्रसस्करण उद्योगों में तेजी से वृद्धि की गई है। तथापि विभिन्न फसलों की उत्पादकता बढ़ाने और निवेश की लागत को कम करने की आवश्यकता है और इसके अलावा कृषि, पशुपालन, मछली पालन, कुक्कुटपालन आदि के लिए क्षेत्रीय वृद्धि लक्ष्यों का आकलन करने व विश्लेषण करने की दिशा में क्षेत्रीय स्तर पर कार्य करने की जरूरत है, ताकि किसानों की आमदनी बढ़ सके और ऐसा सक्षम वातावरण सृजित हो सके जिसमें खेती तथा खेती से इतर गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके और आजीविका के टिकाऊ व उत्पादक विकल्प उपलब्ध हो सकें। इसे ध्यान में रखते हुए टिकाऊपन हेतु उत्पादकता बढ़ाने के लिए गहन प्रयास करने की जरूरत है।

यह दूसरा कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन–2017 निश्चित रूप से किसानों, नीति–निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों और विभिन्न स्टेकहोल्डरों को ऐसा विशाल मंच उपलब्ध कराएगा जिसमें कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों में हुए विभिन्न नए विकासों व नई खोजों की जांच की जा सके और इन सभी पक्षों के साथ पारस्परिक चर्चा की जा सके। इस प्रकार किसानों को बहुमूल्य ज्ञान एकत्र करने, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बारे में गहरी जानकारी प्राप्त करने और कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्रों से संबंधित विपणन की विभिन्न कार्यनीतियां निर्धारित करने के बहुत अवसर उपलब्ध होंगे। मुझे प्रसन्नता है कि हरियाणा किसान आयोग कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन के इस यादगार मौके पर न्यूज लैटर का एक विशेष अंक प्रकाशित करने जा रहा है।

मुझे पूर्ण आशा है कि इस शिखर सम्मेलन और न्यूज लैटर में उपलब्ध कराई गई जानकारी से किसानों को नए अवसरों के साथ–साथ अपनी आमदनी को बढ़ाने के बारे में निश्चित रूप से उचित जानकारी मिलेगी। इसलिए मैं तहेदिल से हरियाणा किसान आयोग द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करता हूं।

मैं हरियाणा किसान आयोग और दूसरे कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2017 की न्यूज लैटर के इस विशेष अंक के सफलतापूर्वक प्रकाशन और परिचालन की सफलता की कामना करता हूं।

(ओम प्रकाश धनखड़)

रमेश कुमार यादव
अध्यक्ष, हरियाणा किसान आयोग
हरियाणा सरकार

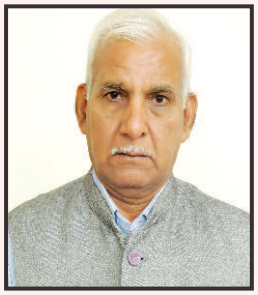

संदेश

द्वितीय कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2017 का हिस्सा होना अत्यधिक आनंद और सम्मान का विषय है। तीन दिन का शिखर सम्मेलन दो अलग–अलग विषयों के साथ आयोजित किया जा रहा है–हरियाणा को एक सम्भावित राज्य के रूप मे बढ़ावा देना जिसमे परिनगरीय कृषि सहित सम्बन्धित क्षेत्रों के विकास तथा खेत के ताजा उत्पादों के लिए कृषि व्यवसाय और विपणन नेतृत्व पर ध्यान केन्द्रित करना। इस सम्मेलन से पूरे देशभर के विभिन्न स्टेकहोल्डर कृषि टिकाऊपन में प्रगत निरंतर सुधार के अवसरों पर चर्चा करेंगे। इस आयोजन के कारण सभी किसान और कृषि व्यापारी एक साथ मिलकर कृषि तकनीकों में रोमांचक नए–नए आविष्कारों या नवोन्मेषों को उजागर करेंगे तथा बाजार से संबंधित समस्याओं के व्यावहारिक हल के लिए एक–दूसरे के साथ सही साझेदारी करेंगे। सफल प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण के लिए सर्वश्रेष्ठ मॉडलों की पहचान पर केन्द्रित इस प्रकार के सम्मेलनों से राज्यभर के सभी विशेषज्ञ एक साथ आते हैं तथा कृषि क्षेत्र में सर्वाधिक रोमांचक अवसरों की पहचान करते हैं।

इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य नवोन्मेषियों के साथ साझेदारों, निवेशकों, प्रक्रियाओं में तेजी लाने वालों, वृद्धिकर्ताओं और उपभोक्ताओं से जोड़कर प्रौद्योगिकियों को प्रयोगशाला से खेत तक ले जाने की प्रक्रिया में तेजी लाना है। हम अपनी खेती प्रणाली की क्षमता और लचीलेपन के लिए अग्रसर है जिसमें कृषि तथा कृषि सम्बन्धित क्षेत्रों में श्रेष्ठ योग्यता वाले किसानों के नेता की पहचान, सुग्मता और ऊष्मायन को अवसर प्रदान करना है। शिखर सम्मेलन विशेष रूप से युवाओं को कृषि संबंधी गतिविधियों को सांझा करने के लिए अपनी आजीविका के विकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए योग्य बनाने में सहायक होगा।

हरियाणा सरकार का मुख्य ध्यान हमारे किसानों की वित्तीय स्थिति को सुधारने पर है और यही कारण है कि बजट (वित्त वर्ष 2016–17) का 13 प्रतिशत से अधिक भार कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों के लिए निर्धारित किया गया है। हमारी सरकार प्राकृतिक आपदाओं, नाशकजीवों या रोगों के कारण अधिसूचित फसलों में से किसी भी फसल के खराब हो जाने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से बीमा सुरक्षा तथा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। इसके अलावा, जलवायु स्मार्ट कृषि, माइक्रो सिंचाई, मिट्टी स्वास्थ्य, जैविक खेती, कृषि वानिकी, ए2 दूध उत्पादन, मछली पालन, कुक्कुट, मधुमक्खी पालन, खुम्बी की खेती, कृषि उत्पादन प्रसंस्करण और विपणन आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य वाले इस प्रकार के सम्मेलनों के माध्यम से किसानों को नई–नई व आधुनिक कृषि विधियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और ऋण का प्रवाह भी सुनिश्चित किया जाता है।

मुझे विश्वास है कि इस प्रकार की पहलें ऐसे विचारों के लिए एक मंच का कार्य करेंगी जिनके द्वारा यह निधारित होगा कि प्रौद्योगिकियों को किस प्रकार अपनाया जाए व अनुसंधान व विकास के क्या साधन हों। मुझे अपनी संस्थाओं तथा वैज्ञानिकों और किसानों पर पूरा विश्वास है कि वे इन चुनौतियों को अवसर में बदलेंगे।

(रमेश कुमार यादव)

अभिलक्ष लिखी, आई. ए. एस.
प्रधान सचिव,
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
हरियाणा सरकार

संदेश

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि हरियाणा सरकार द ऐसोसिएशन चैम्बर्स ओफ कोमर्स एन्ड इंड्स्ट्री ओफ इंडिआ (अस्सोचैम) के साथ मिलकर 18 से 20 मार्च, 2017 तक सूरजकुंड, फरीदाबाद ,हरियाणा मे द्वितीय कृषि -नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2017 का आयोजन करने जा रही है।

हरियाणा राज्य अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है। इस संदर्भ में यह समिट किसान नेताओं को सम्मान प्रदान करने, उन्हें और आगे बढाने तथा आदर देने का एक अवसर प्रदान करेगा। यह कृषि प्रौद्योगिकी तथा व्यापार सम्मेलन होगा जो राज्य कि कृषि को टिकाऊ से लाभदायक, स्थानिक रूप से उपयोगी तथा वैश्विक बनाने के साथ साथ बाजार से जुड़े उत्पादन को रुपांतरित करने का एक अवसर प्रदान करेगा। इससे किसानों को अपनी नई नई खोजों तथा खेती की विधियों को प्रदर्शित करने के साथ साथ उनको बाज़ार से जोड़ने का अवसर भी उपलब्ध होगा।

द्वितीय कृषि -नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2017 के दो विशिष्ट उद्देश्य होंगे - हरियाणा को परिनगरीय कृषि /बागवानी / संबंधित क्रिया कलापों के एक केंद्र के रूप में बढ़ावा देना तथा कृषि व्यापार और विपणन नेतृत्व पर विषेश ध्यान देना। इसके अतरिक्त इस सम्मेलन में कुछ अन्य मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया जायेगा जैसे किसानों की आय को दुगना करना ,जलवायु परिवरर्तन के प्रति अनुकूल कृषि, सूक्ष्म सिंचाई /मृदा का स्वास्थ्य, जैविक खेती , जोखिम प्रबंध , ए2 दुग्ध उत्पादन/ डेरी पालन , मछलीपालन, कृषि उत्पाद विपणन , कृषि उद्योग आदि।

इस सम्मेलन के द्वारा किसानों को अपनी नई नई खोजों तथा नई प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित करने के साथ साथ अपना व्यापार करने और इसके अलावा अन्य संबंधित पक्षों के साथ चर्चा करने के अतिरिक्त सार्वजनिक निकायों व उद्यमियों के साथ परसपर सम्पर्क करने का अवसर प्राप्त होगा जो न केवल विभिन्न देशों के होंगे बल्कि विभिन्न राज्यों के होंगे।

ऐसी आशा है कि इस सम्मेलन में 350 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवम अंतरराष्ट्रीय कम्पनियां /प्रदर्शकर्ता भाग लेंगे और उद्योग तथा विशिष्ट विषयों के पवेलियन लगाए जायेंगे जिन में एक लाख से अधिक अगंतुकों के आने की सम्भावना है। इनमें किसान, उद्यमी, अनुसंधानकर्ता, कृषि एवम बागवानी विश्वविधालय के संकाय सदस्य व छात्र और देश भर के अन्य स्टेक होल्डर भी शामिल होंगे।

इस शिखर सम्मेलन में कृषि एवम सम्बन्धित विषयों के सभी वर्गों के स्टेकहोल्डर एक मंच पर इक्टठा होंगे तथा इससे उन्हे अपने उत्पादों एवम सेवाओं को बाज़ार में उपलब्ध कराने तथा प्रदर्शित करने का एक श्रेष्ठ मंच प्राप्त होगा। पारदर्शिता ,श्रेष्ठ बुनयादी ढांचे तथा राष्ट्रीय राजधानी के निकट होने के साथ साथ निवेशक के हित में हरियाणा कृषि आधारित उद्योगों में निवेश करने का आदर्श स्थल है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस सम्मेलन से कृषि /बागवानी विभागों तथा सम्बंधित विषयों को पहचानने में सहाएता मिलेगी और भविष्य में नई नई खोजों पर विषेश ध्यान देने का अवसर प्राप्त होगा।

(अभिलक्ष लिखी)

हरियाणा किसान आयोग

गतिविधियां एवं उपलब्धियां . एक झलक

सरकार को प्रस्तुत की गई रिपोर्टें

आयोग द्वारा प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को शामिल करते हुए विभिन्न तकनीकी कार्यदल गठित किए गए हैं। इन्होंने सरकार को प्रस्तुत किए जाने के लिए अपनी रिपोर्टें प्रस्तुत की हैं। ऐसी अपेक्षा है कि इन रिपोर्टों से कृषि को ऊर्जावान और लाभदायक व्यवसाय बनाने की दृष्टि से कार्यनीतिपरक योजनाएं बनाने में सहायता मिलेगी।

1. हरियाणा राज्य कृषि नीति का मसौदा
2. किसानों से हुई परिचर्चा पर आधारित पर नीतिगत बिन्दुओं व विकल्पों पर रिपोर्ट
3. हरियाणा में कृषि अनुसंधान वं विकास के लिए मुद्दों और विकल्पों पर रिपोर्ट
4. हरियाणा में टिकाऊ फसलोउत्पादन के लिए संरक्षित कृषि पर रिपोर्ट
5. हरियाणा में प्राकृतिक संसाधन प्रबंध पर रिपोर्ट
6. हरियाणा में मात्स्यिकी विकास स्थिति, सम्भावनाएं एंव विकल्प पर रिपोर्ट
7. हरियाणा में बागवानी विकास पर रिपोर्ट
8. हरियाणा में संरक्षित कृषि पर रिपोर्ट
9. हरियाणा में पशुपालन विकास पर रिपोर्ट
10. हरियाणा में फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर रिपोर्ट
11. हरियाणा में बारानी क्षेत्र के विकास पर रिपोर्ट
12. हरियाणा में किसानों का बाजार से सम्पर्क पर रिपोर्ट
13. हरियाणा में कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी एवं मूल्यसंवर्धन पर रिपोर्ट

आयोग द्वारा राज्य सरकार को की गई महत्वपूर्ण सिफारिशें

1. कृषि ऋण पर ब्याज की दरें घटाकर 4 प्रतिशत की गई हैं।
2. खेती के लिए ऋण लेने पर स्टैम्प ड्यूटी हटा दी गई है।
3. लगभग सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी कर दिए गए हैं।
4. लगभग सभी किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जारी कर दिए गए हैं।
5. राज्य पशुधन मिशन का शुभारंभ हो गया है।
6. मछली तालाबों के लिए जल की दरें बहुत कम कर दी गई हैं।
7. चावल–गेहूं प्रणाली में विविधीकरण को बढ़ावा देने और चावल की खेती के अंतर्गत क्षेत्र को कम करने के लिए कदम उठाए गए हैं।
8. चारा बीजोत्पादन के लिए रोलिंग प्लान तैयार किया जा रहा है।
9. एपीएमसी अधिनियम से फलो और सब्जियों को हटाए जाने के लिए सुधार लाए जा रहे है।
10. सब्जियों और फलों पर मंडी शुल्क माफ किया गया।
11. एडीओ के वेतनमान संशोधित किए गए हैं।

किसानों, नीतिकारों और वैज्ञानिकों के साथ परिचर्चा

किसानों की समस्याओं, आवश्यकताओं को समझने और उनकी क्षमताओं को परिवर्तित करने के लिए हरियाणा किसान आयोग ने किसानों के साथ कार्यशालाएं तथा परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिनमें परिचर्चा के लिए किसानों को नीतिकारों व वैज्ञानिकों से विचार–विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया गया।

हरियाणा कृषि के बारे में

हरियाणा 1 नवम्बर 1966 को भारतीय गणतंत्र के संघ समूह में एक पृथक्क राज्य के रूप में उभरा था। मात्र 1.37 प्रतिशत कुल भौगोलिक क्षेत्र और भारत की जनसंख्या के 2 प्रतिशत से कम भाग होने पर भी हरियाणा ने पिछले तीन दशकों के दौरान देश में अपना उत्कृष्ट स्थान बनाया है। चाहे यह कृषि हो या उद्योग, नहर सिंचाई हो या ग्रामीण विद्युतीकरण। हरियाणा ने सभी दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाकर सफलताएं प्राप्त की हैं। हरियाणा भारत के सर्वाधिक समृद्ध राज्यों में है और यहां के लोगों की प्रति व्यक्ति आय देश में सर्वोच्च है।

हरियाणा की सफलता की गाथा यह है कि जहां 1 नवम्बर 1966 को यह खाद्यान्न की कमी वाला राज्य था वहीं अब यह केन्द्रीय पूल में खाद्यान्न का दूसरा सबसे बड़ा योगदाता है जो वास्तव में आश्चर्यजनक है। हमारे कठोर परिश्रमी किसानों ने राज्य में देश के कुल क्षेत्र के 1.4 प्रतिशत क्षेत्र के होते हुए केन्द्रीय पूल में 14 प्रतिशत का योगदान दिया है। यह प्रशंसनीय है कि वर्ष 2015–16 में यहां 163.33 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ। राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र में होने वाली हानियों से निपटने के लिए तथा अधिसूचित फसलों नामतः खरीफ की धान, बाजरा, मक्का और कपास तथा रबी मौसम की गेहूं, जौ, चना और सरसों के असफल होने पर किसानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना शुरू की है।

सरकार जैविक गांवों को अपनाकर जैविक खेती को भी बढ़ावा दे रही है जिसमें प्रत्येक 50 एकड़ का क्लस्टर बनाया गया है। इसके साथ ही यहां 'परंपरागत कृषि विकास योजना' के अंतर्गत जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण की भी व्यवस्था की जा रही है। फसलों का कचरा न जलाया जाए तथा उसका बेहतर प्रबंध किया जाए, इसके लिए सरकार ने भूसा प्रबंध के उपकरणों, प्रशिक्षण और प्रदर्शनों की व्यवस्था करके एक कार्य योजना प्रस्तावित की है। इंडियन ऑयल कारपोरेशन, पानीपत में इथेनॉल आधारित बिजली शक्ति संयंत्र स्थापित करने जा रहा है।

सरकार के 'बागवानी परिदृश्य' के अंतर्गत वर्ष 2030 तक राज्य में बागवानी उत्पादन तथा बागवानी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को दुगुना करना है। खेती योग्य कुल क्षेत्र का 15 प्रतिशत भाग बागवानी के अंतर्गत लाने का उद्देश्य रखा गया है जबकि वर्तमान में यह 7.5 प्रतिशत है।

सरकार ने करनाल में प्रथम बागवानी विश्वविद्यालय स्थापित किया है तथा तीन क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र भी स्थापित किए हैं और इसने वैश्विक संस्थानों व विश्वविद्यालयों से अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बनाए हैं। हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन फेडरेशन लिमिटेड (हैफेड) ने इस वर्ष राज्य के इतिहास में पहली बार मूंग का उत्पादन किया है। राज्य मूल्य परामर्श मंडल द्वारा गन्ने की अगेती, मध्यम और पछेती किस्मों के लिए क्रमशः 320 रुपये, 315 रुपये और 310 रुपये मूल्य अदा किये जा रहे हैं जो देश में सर्वोच्च हैं!

वर्ष 2015–16 में कुल वार्षिक दुग्धोत्पादन 83.31 लाख टन पहुंच गया और इस प्रकार प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 835 ग्राम रही जो देश में दूसरी सर्वोच्च उपलब्धता है। सरकारी पशुधन फार्म, हिसार में गोकुलग्राम स्थापित किया जा रहा है, ताकि हरयाणा, साहीवाल, थारपार्कर और गिर जैसी गुणवत्तापूर्ण नस्ल के गोपशुओं के पालन को बढ़ावा दिया जा सके।

गौवंश के कल्याण तथा उसे बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा गौ सेवा आयोग का शुभारंभ किया गया है तथा पानीपत और हिसार में गौ अभयारण्य स्थापित होने की प्रक्रिया में हैं जिससे आवारा गोपशुओं को उचित शरण स्थल, चारा तथा पशुचिकित्सा देखभाल संबंधी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

राज्य में 37 मंडियों को ई–नाम (राष्ट्रीय कृषि मंडी) स्कीम से जोड़ा गया है, ताकि कृषि उपज विपणन प्रणाली को सुचारू, पारदर्शी तथा किसान/आढ़तिया–मित्रवत बनाया जा सके।

हरियाणा मछलियों की प्रति हैक्टर उत्पादकता के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है और इसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा 'मछली रोग मुक्त राज्य' घोषित किया गया है।

f}rh; df"k urRo f'k[kj lEesyu&2017

कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन–2015 की सफलता से उत्साहित होकर हरियाणा किसान नेताओं को सम्मानित करने, प्रोत्साहन देने और उनकी वृद्धि के लिए उचित अवसर उपलब्ध कराने हेतु दूसरा कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है।

कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2017 के दो विशिष्ट मुख्य उद्देश्य होंगे – हरियाणा को परिनगरीय कृषि/बागवानी/सम्बद्ध गतिविधियों के स्थल के रूप में प्रवर्धित करना तथा कृषि व्यापार एवं विपणन नेतृत्व पर ध्यान केन्द्रित करना। इसके अतिरिक्त इस सम्मेलन में अन्य मुद्दों जैसे किसानों की आमदनी दुगनी करने, जलवायु अनुकूल कृषि, सूक्ष्म सिंचाई/मृदा प्रबंध, जैविक खेती, जोखिम प्रबंध, ए 2 दुग्धोत्पादन/डेरी, मछली पालन, कृषि उत्पादों के विपणन, कृषि उद्योग आदि पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

कृषि के क्षेत्र में अग्रणी राज्य होने के नाते हरियाणा किसानों को अपनी सर्वश्रेष्ठ विधियां तथा नई–नई खोजों को प्रदर्शित करने तथा उन्हें मंडियों के साथ जोड़ने के लिए मंच उपलब्ध कराने हेतु 'द्वितीय कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2017' आयोजित कर रहा है।

इसका उद्देश्य त्वरित, समग्र और टिकाऊ वृद्धि के लिए हरियाणा की कृषि की अभूतपूर्व वृद्धि क्षमता का उपयोग करना है जिसके परिणामस्वरूप किसानों, कृषि कर्मियों तथा उनके परिवारों की आर्थिक दशा और सामाजिक स्थिति में सुधार होगा। इसका उद्देश्य किसानों तथा कृषि मंडियों के बीच सम्पर्क सृजित करना है ताकि ज्यादा से ज्यादा मूल्यवर्धन हो सके।

कृषि उद्योग में तेजी से तकनीकी नई–नई खोजें हुई हैं और भारत पर इनका प्रभाव पड़ना आरंभ हो गया है। आज किसानों तक प्रौद्योगिकियों को पहुंचाने और किसानों की उपज को सीधे मंडी में बेचने पर बल दिया जा रहा है। तीन दिन के इस सम्मेलन का उद्देश्य हरियाणा के किसानों तथा कृषि उद्योग को सर्वाधिक मूल्य सृजन के लिए उनका दिशानिर्देश करना तथा किसानों और मंडियों के बीच प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित करना है।

vkd"k.k

miyfC/k ikIrdrkvk ls ij.kk

मुख्य उद्देश्य के अनुकूल कृषि, बागवानी, पशुपालन, डेरी तथा मछली पालन क्षेत्रों के किसानों/कृषक समूहों/उद्यमियों को समर्पित कृषि अग्रणी व्यक्तियों को प्रदर्शित करते हुए एक पवेलियन होगा जहां न केवल उत्पादों/उपज के प्रदर्शन के माध्यम से दर्शाया जाएगा बल्कि सभी संबंधित पक्षों को बेहतर बाजार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अन्य संबंधित पक्षों के साथ परस्पर चर्चा बैठक आयोजित करने के अवसर भी प्राप्त होंगे।

df"k ik|kfxdh in'kuh

विभिन्न विभागों/निगमों/निजी फर्मों/कंपनियों/उद्यमियों के द्वारा इस प्रदर्शनी में नवीनतम इनोवेशन या नवोन्मेषों, प्रौद्योगिकियों और फार्म मशीनरी का प्रदर्शन किया जाएगा।

lfeukj@dk;'kkyk,@fdlku xkf"B;k

कृषि नेतृत्व सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्रों में नेताओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना है। संबंधित क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति/वैज्ञानिक/प्रगतिशील किसान अपने विषय पर व्याख्यान देंगे। इस सम्मेलन में सभी संबंधित क्षेत्रों के विभिन्न विषयों पर समानांतर सत्र भी आयोजित होंगे।

ifjuxjh; [krh

हरियाणा सरकार का उद्देश्य किसानों की आय दुगुनी करना तथा ताजे सब्जियों, फलों, फूलों, दूध तथा दुग्धोत्पादों की मांग को पूरा करना है और इसके साथ ही परिनगरीय खेती के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कुक्कुट उत्पादों को पहुंचाना भी है।

सरकार का उद्देश्य कृषि में खेती के क्षेत्र में अग्रणी किसानों के माध्यम से खेती को और अधिक मांग आधारित व लाभदायक बनाना है। हमारे किसान फसल या जिंस की आवश्यकता के आधार पर उत्पादन करेंगे। श्रेष्ठ कृषि विधियों जैसे छंटाई, श्रेणीकरण और पैकेजिंग को अनुकूल सस्योत्तर प्रौद्योगिकियों के माध्यम से अपनाते हुए किसान अपनी उपज को बाजार में सीधे बेचकर अच्छा लाभ कमा सकेंगे।

tfod [krh vkj iek.khdj.k

जैविक खेती से उच्च मूल्य वाले पदार्थों को बाजार में उपलब्ध कराने का अवसर प्राप्त होता है और किसानों को ज्यादा फायदा मिलता है साथ ही उन्हें स्वस्थ पोषण भी प्राप्त होता है। इस अवसर पर जैविक खेती तथा टिकाऊ कृषि पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

iR;{k foi.ku rFkk byDVkfud Qke 0;kikj

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बिचौलियों को हटाकर किसानों की बाजार तक सीधी पहुंच कराते हुए बाजार को सबल बनाना है। फसलें उगाने वालों/उत्पादकों पर विशेष ध्यान देते हुए कृषि उत्पादों को दर्शाने व उन्हें बाजार में बेचने के लिए कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्र के किसानों व उद्यमियों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी में पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया गया है। इसमें किसानों को इलेक्ट्रॉनिक फार्म व्यापार के बारे में अवगत कराने पर विशेष बल दिया जाएगा।

ijLdkj

कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्रों के नेताओं को पहचानने व उन्हें सम्मानित करने के लिए इस अवसर पर विभिन्न नकद पुरस्कार व उद्धरण दिए जाएंगे।

,d yk[k ls vf/kd fdlkuk dh Hkkxhnkjh

vkxrd ikQkby

- कृषक–फसलें उगाने वाली, उत्पादक, प्रसंस्करणकर्ता और उद्यमी
- केन्द्र तथा राज्य सरकार के विभाग व एजेंसियां
- राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं व विश्वविद्यालय
- अग्रणी कृषि एवं सम्बद्ध कंपनियां
- ख्याति प्राप्ति वैज्ञानिक/वक्ता
- कृषक उत्पादक संगठन तथा कृषि में रूचि रखने वाले समूह

कार्यक्रम

lHkkxkj	le;	l= l‐	l= dk fo"k;	mRrjnk;h vf/kdkjh@ lxBu
fnol 1 ıi'kikyu ,o Mjhİ ,&2 nX/k % LoLFk n/k				
सभागार–1	ĆČĚĆĆî ĆÇĚĆĆ	सत्र –1	दुग्धोत्पादन में प्रांति	महानिदेशक, पशुपालन एवं डेरी 125 किसान
सभागार–2	ĆČĚĆĆî ĆÇĚĆĆ	सत्र –2	गोपशु तथा जैविक खेती : मूल आधार की ओर	महानिदेशक, पशुपालन एवं डेरी 125 किसान
सभागार–3	ĆČĚĆĆî ĆÇĚĆĆ	सत्र –3	अनुसंधान एवं विकास : पशु पालन एवं डेरी में प्रगतियां (राष्ट्रीय)	कुलपति, एलयूवीएएस – सेमिनार के लिए महानिदेशक, पशुपालन एवं डेरी– किसानों के लिए 125 किसान
सभागार–4	ĆČĚĆĆî ĆÇĚĆĆ	सत्र –4	किसानों की आय दुगनी करना (राष्ट्रीय)	कुलपति, सीसीएसएचएयू – सेमिनार के लिए निदेशक, कृषि – किसानों के लिए किसान : 125
fnol&2 ıckxokuh ,o ekfRL;dhİ ifjuxjh; [krh				
सभागार–1	ĈĆĚĆĆî ĈČĚĆĆ	सत्र –5	राष्ट्रीय कृषि नेता – कृषि में नवोन्मेष बढ़ाने से संबंधित अनुभवों की भागीदारी	महानिदेशक, बागवानी किसान : 125
	ĆČĚĆĆî ĆÇĚĆĆ	सत्र –6	फार्मिंग उद्यमशीलता : विचारों को यथार्थ में ढालना – कृषि नेता	महानिदेशक, बागवानी किसान : 125
सभागार–2	ĈĆĚĆĆî ĈČĚĆĆ	सत्र –7	बागवानी : हरियाणा भूदृश्य निर्माण में परिवर्तन	महानिदेशक, बागवानी किसान : 125
	ĆČĚĆĆî ĆÇĚĆĆ	सत्र –8	सरकार द्वारा कृषि का प्राथमिकीकरण – किसानों को प्रोत्साहन	महानिदेशक, बागवानी किसान : 125
सभागार–3	ĈĆĚĆĆî ĈČĚĆĆ	सत्र –9	परिनगरीय खेती – एक उभरता हुआ अवसर	प्रबंध निदेशक, एचएसएएचडीए किसानः 125
	ĆČĚĆĆî ĆÇĚĆĆ	सत्र –10	नील प्रांति का विस्तार	निदेशक, मात्स्यिकी किसानः 125
सभागार–4	ĈĆĚĆĆî ĈČĚĆĆ	सत्र –11	जल – संसाधनों का प्रबंध	निदेशक, कृषि एवं महानिदेशक, बागवानी किसान : कृषि–75, बागवानी–50
	ĆČĚĆĆî ĆÇĚĆĆ	सत्र–12	मृदा स्वास्थ्य का प्रबंध	निदेशक, कृषि किसानः 125

कार्यक्रम

fnol &3 ıdf"k ,o ih,l;ı				
tkf[ke icU/ku tyok;q vuqdqy df"k ,o byDVªkfud Qkeª 0;kikj				
सभागार–1	ĈĆĔĆĆ î ĈČĔĆĆ	सत्र–13	कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग (विदेशी प्रतिनिधि + स्काइपे)	कुलपति, सीसीएसएचएयू – सेमिनार के लिए निदेशक, कृषि – किसानों के लिए किसान : 125
सभागार–2	ĈĆĔĆĆ î ĈČĔĆĆ	सत्र–14	टिकाऊ फसलोत्पादन के लिए संरक्षण कृषि – जलवायु अनुकूल कृषि एवं जोखिम प्रबंध (राष्ट्रीय)	कुलपति, सीसीएसएचएयू – सेमिनार के लिए निदेशक, कृषि – किसानों के लिए किसान : 125
सभागार–3	ĈĆĔĆĆ î ĈČĔĆĆ	सत्र–15	कृषि उत्पाद विपणन हरियाणा– टिकाऊ कृषि मूल्य श्रृंखलाओं का विकास	सीए, एचएसएएमबी कृषक : 125
सभागार–4	ĈĆĔĆĆ î ĈČĔĆĆ	सत्र–16	तार्किक एवं कृषि प्रसंस्करण – हरियाणा के लिए विशेष महत्व वाले क्षेत्र	प्रबंध निदेशक, एचएसडब्ल्यूसी कृषक : 125

गतिविधियां

हरियाणा किसान आयोग

अनाज मंडी, सेक्टर 20

पंचकूला – 134116

टेलिफोनः +91–172–2551764

फैक्सः +91–172–2551864

Email: haryanakisanayogpkl@gmail.com

Website:- www.haryanakisanayog.org